

प्रेषक,

डा० हेमलता ढोंडियाल  
अपर सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी  
नैनीताल/उधमसिंह नगर/अल्मोड़ा/  
पिथौरागढ़/बागेश्वर/ चम्पावत/देहरादून/पौड़ी/टिहरी/  
चमोली/उत्तरकाशी/रूद्रप्रयाग/हरिद्वार।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक: 21 अप्रैल, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु बैंक वित्त व्याज उपादान स्वतः रोजगार योजना के अन्तर्गत धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु उद्योग निदेशालय के अन्तर्गत खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के आयोजनागत पक्ष के बैंक वित्त व्याज उपादान स्वतः रोजगार योजना में धनराशि ₹0 68,66,000/- (₹0 अड़सठ लाख छियासठ हजार मात्र) की धनराशि गिम्बविपत्तानुसार व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

जनपद का नाम	स्वीकृत की जा रही धनराशि(₹0 लाख में)
नैनीताल	3.95
उधमसिंह नगर	4.32
अल्मोड़ा	5.53
पिथौरागढ़	11.85
बागेश्वर	6.27
चम्पावत	3.16
देहरादून	4.85
पौड़ी	2.60
टिहरी	3.80
चमोली	10.46
उत्तरकाशी	3.95
रूद्रप्रयाग	3.00
हरिद्वार	4.80

2- उपर धनराशि आपके निर्वहन पर इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जा रही है कि स्वीकृत धनराशि का आवश्यकतानुसार आहरण कर व्यय जायेगी। व्यय में निम्नव्ययता निम्नांक आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आशय किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैनुअल तथा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो, व्यय उन्हीं मदों पर किया जाय, जिसके लिये यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक: 31.03.2009 तक उपयोग कर लिया जायेगा। यहाँ तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत योजना की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के परवत् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक: 31.03.2009 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

4- योजना पर जनपदवार व्यय जिला नियोजन एवं अनुभवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार प्लान आउट-ले व योजनाओं के अनुसार ही किया जायेगा।

5- स्वीकृत धनराशि जिला अनुभवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिषद/योजनाओं के अनुरूप ही सैक्टरवार व्यय किया जायेगा एवं धनराशि का व्यय वित्त विभाग के उपरोक्त शासनादेश दिनांक 27 मार्च 2008 में उल्लिखित निर्देशानुसार किया जायेगा।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत 105-खादी ग्रामोद्योग, 91-जिला योजना, 01-बैंक वित्त व्याज उपादान स्वतः रोजगार योजना, 50-उपादान के नामे डाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 267/XXVIII/N/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 के प्रस्तर-5 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय

(डा० हमलात बोडेवाल)  
अपर सचिव।

प्रकाशन संख्या: 1751(I)/VII-2-08/479-उद्योग/2007, तदुद्देश्यित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, ना० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल-पीछी/कुमाऊँ मण्डल-नैनीताल।
6. निदेशक, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, देहरादून।
8. अपर सचिव, वित्त विभाग, अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
9. समस्त जिला ग्रामोद्योग अधिकारी।
10. निदेशक, एन०आर०सी०, सामेकलन परिसर, देहरादून।
11. वित्त अनुभाग-2
12. गार्ड फाइल।

(डा० हमलात बोडेवाल)  
अपर सचिव।